खाद्य एवं प्रसंस्करण उद्योग में 5,000 करोड़ रुपये का निवेश

उन्नाव, हरदोई और अमेठी खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का हब बने,100 उद्योगों को दिया 155 करोड़ का अनुदान

राज्य ब्यूरो, जागरण● लखनऊ: प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनाने में खाद्य एवं प्रसंस्करण उद्योग भी अहम भूमिका निभा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में खाद्य एवं प्रसंस्करण उद्योग के क्षेत्र में विभिन्न कंपनियों ने करीब 5,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसके मद्देनजर खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-23 के तहत चालू वित्तीय वर्ष में 100 उद्योगों को 155 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। साथ ही 103 उद्यमियों को लेटर आफ कम्फर्ट (आश्वासन पत्र) जारी किया गया है। उन्नाव, हरदोई व अमेठी इस उद्योग के हब बन चुके हैं।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि खाद्य एवं प्रसंस्करण उद्योग

केशव प्रसाद मौर्य (फाइल)

में अधिक से अधिक पूंजी निवेश कराएं। इस क्षेत्र में रोजगार व पूंजी निवेश की अपार संभावनाएं हैं। अभी तक विभिन्न जिलों में स्थापित इकाइयों में 60,000 लोगो को रोजगार मिल चुका है और करीब 50,000 किसानों की उपज को उद्यमियों द्वारा लिया जा रहा है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि अभी तक 1,188 उद्यमियों द्वारा आवेदन किए गए हैं, जिसमें से 328 को स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है और 328 को लेटर आफ कम्फर्ट जारी किए गए हैं। सरकार इस उद्योग को बढ़ावा देने के लिए 10 करोड़ रुपये तक का अनुदान दे रही है।

उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अनुसार कानपुर व आगरा परिक्षेत्र में आलू आधारित इकाइयां, गोरखपुर क्षेत्र में मल्टीग्रेन, राइस ब्रान आयल व मिक्स फ्रूट की इकाइयां स्थापित की गई हैं। बाराबंकी, लखनऊ व अयोध्या परिक्षेत्र में रेडी टू ईट पास्ता, पेस्ट्रीज बनाई जा रही हैं। वहीं बुंदेलखंड परिक्षेत्र में दाल आधारित इकाइयां, वाराणसी व आजमगढ़ क्षेत्र में मल्टीग्रेन से मुरमुरे बनाए जा रहे हैं। प्रयागराज में फोर्टीफाइड राइस, पास्ता, हाथरस व अलीगढ़ में फलों और सब्जियों के जूस का उत्पादन किया जा रहा है। इसी प्रकार विभिन्न क्षेत्रों की मांग व कृषि उत्पादों की उपलब्धता के आधार पर खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना की जा रही है।

पैरागुए के भावी राजदूत को दी एमएसएमई योजनाओं की जानकारी

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री राकेश सचान ने पैरागुए के लिए नामित राजदूत डा. पीयूष सिंह को विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने खादी, रेशम, हथकरघा, हस्तशिल्प व एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) को पैरागुए में भी प्रचारित करने के बारे में चर्चा की। साथ ही कहा कि उप्र से निर्यात में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। राज्य सरकार निर्यात को और बढ़ाने की नीति पर काम कर रही है। मंगलवार को खादी भवन में आयोजित बैठक में एमएसएमई विभाग के अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं के बारे में विदेश मंत्रालय की टीम के समक्ष प्रस्तुतीकरण किया। एमएसएमई मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पारंपरिक और कुटीर उद्योगों को वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयास कर रही है। राजदूत डा.पीयूष सिंह ने औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी से भी मुलाकात की। नन्दी ने उन्हें यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में सम्मिलित होने के लिए पैरागुए के निवेशकों और उद्यमियों को आमंत्रित किया है।